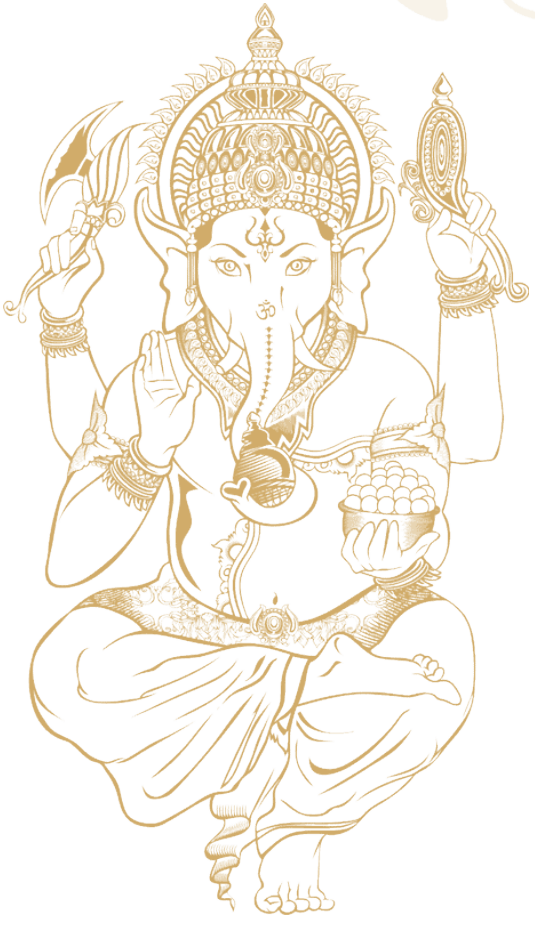

Mr.Rounak

24 May 2005

05:22 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119367203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/2005**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:22:00 घंटे**
इष्ट	29:49:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:11 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:35 घंटे
सूर्योदय	05:26:12 घंटे
सूर्यास्त	19:10:02 घंटे
दिनमान	13:43:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:28:35 वृष
लग्न के अंश	17:20:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:20:58	308:42:57	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	09:28:35	00:57:37	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	18:12:41	14:30:43	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			कुंभ	22:55:01	00:42:53	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मेष	27:54:21	02:00:24	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कन्या	15:12:36	00:02:07	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	23:39:05	01:13:32	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	स्वराशि
शनि			मिथु	29:50:38	00:05:52	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	28:13:36	00:06:00	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	28:13:36	00:06:00	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:38:49	00:01:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	23:40:04	00:00:09	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	29:46:40	00:01:27	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	21:00:00	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:50

लग्न-चलित

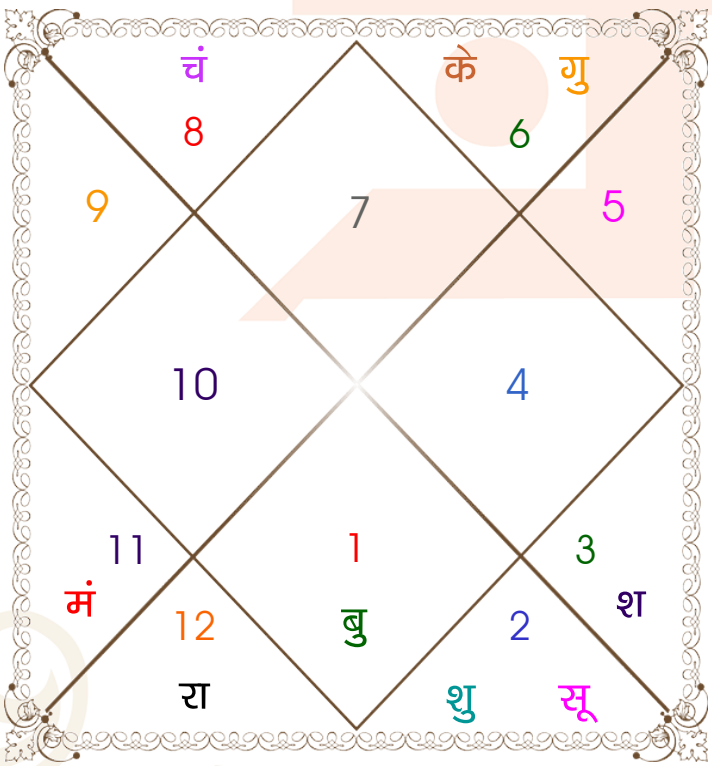

चन्द्र कुंडली

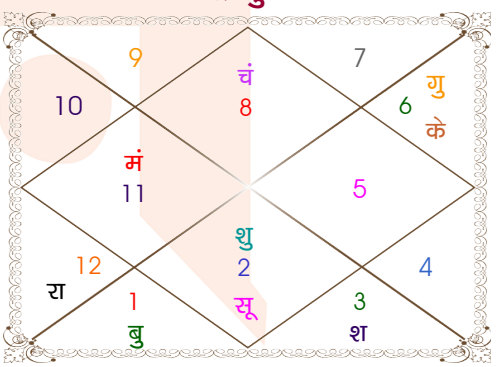

नवमांश कुंडली

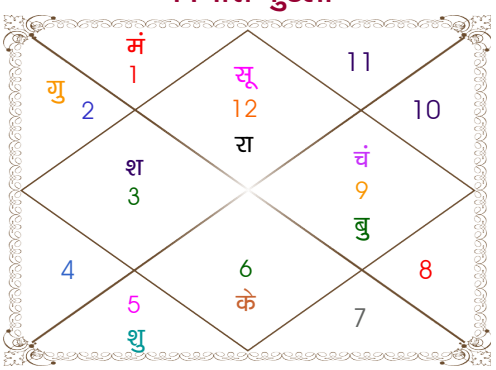

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 0 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/05/2005		04/06/2020		05/06/2027		05/06/2047		04/06/2053	
04/06/2020		05/06/2027		05/06/2047		04/06/2053		05/06/2063	
बुध	31/10/2005	केतु	31/10/2020	शुक्र	04/10/2030	सूर्य	22/09/2047	चंद्र	05/04/2054
केतु	29/10/2006	शुक्र	31/12/2021	सूर्य	05/10/2031	चंद्र	23/03/2048	मंगल	04/11/2054
शुक्र	29/08/2009	सूर्य	08/05/2022	चंद्र	04/06/2033	मंगल	29/07/2048	राहु	05/05/2056
सूर्य	05/07/2010	चंद्र	07/12/2022	मंगल	04/08/2034	राहु	23/06/2049	गुरु	04/09/2057
चंद्र	04/12/2011	मंगल	05/05/2023	राहु	04/08/2037	गुरु	11/04/2050	शनि	05/04/2059
मंगल	01/12/2012	राहु	23/05/2024	गुरु	04/04/2040	शनि	24/03/2051	बुध	03/09/2060
राहु	20/06/2015	गुरु	29/04/2025	शनि	05/06/2043	बुध	28/01/2052	केतु	04/04/2061
गुरु	25/09/2017	शनि	08/06/2026	बुध	05/04/2046	केतु	04/06/2052	शुक्र	04/12/2062
शनि	04/06/2020	बुध	05/06/2027	केतु	05/06/2047	शुक्र	04/06/2053	सूर्य	05/06/2063

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/06/2063		05/06/2070		04/06/2088		05/06/2104		06/06/2123	
05/06/2070		04/06/2088		05/06/2104		06/06/2123		00/00/0000	
मंगल	01/11/2063	राहु	15/02/2073	गुरु	23/07/2090	शनि	09/06/2107	बुध	25/05/2125
राहु	19/11/2064	गुरु	11/07/2075	शनि	03/02/2093	बुध	16/02/2110		00/00/0000
गुरु	25/10/2065	शनि	17/05/2078	बुध	12/05/2095	केतु	28/03/2111		00/00/0000
शनि	04/12/2066	बुध	04/12/2080	केतु	16/04/2096	शुक्र	27/05/2114		00/00/0000
बुध	01/12/2067	केतु	22/12/2081	शुक्र	16/12/2098	सूर्य	09/05/2115		00/00/0000
केतु	29/04/2068	शुक्र	22/12/2084	सूर्य	05/10/2099	चंद्र	08/12/2116		00/00/0000
शुक्र	29/06/2069	सूर्य	16/11/2085	चंद्र	04/02/2101	मंगल	17/01/2118		00/00/0000
सूर्य	04/11/2069	चंद्र	18/05/2087	मंगल	11/01/2102	राहु	23/11/2120		00/00/0000
चंद्र	05/06/2070	मंगल	04/06/2088	राहु	05/06/2104	गुरु	06/06/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 0 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।